

tended in the current year to 716 I.T. circles covering over 50% of the tax revenue.

(c) Does not arise in relation to part (a) of the Question.

In regard to part (b), steps have been taken to explain to the employees' organisations the reorganisation of the work in the Department on the functional basis and to seek their co-operation in making the scheme a success.

दिल्ली में बस्ती बसाने के झूठी योजनायें

* 374. श्री मोहन स्वरूप :

श्री हुकम चन्द क श्याम :

श्री शरदा नर. :

श्री रमजीत सिंह :

श्री मधु लिमये :

डा० राम मनोहर लोहिया :

श्री रा० रब० बिष्टाजी :

श्री राम सिंह धरवाल :

श्री भारत सिंह चौहान :

श्री जार्ज फर्नान्डेस :

श्री जे० ए० पटेल :

क्या निर्माण, आवास तथा सम्भरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के कुछ लोगों ने बस्ती बसाने की झूठी योजनायें तैयार करके रिहायशी प्लॉट बेचने का धन्दा शुरू कर रखा है;

(ख) यदि हाँ, तो दिल्ली में बस्ती बसाने वाले कितने व्यवसायी हैं तथा उनके नाम क्या हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि अनेक व्यक्तियों द्वारा खरीदे गये रिहायशी प्लॉट वास्तव में विध्वान ही नहीं हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो ऐसे मामलों के बारे में सरकार की क्या प्रतिनिध्या है ?

निर्माण, आवास तथा वृत्त मंत्री (श्री जगन्नाथ राव) : (क) से (घ) . सरकार के नोटिस में यह धारा है कि दिल्ली तथा उसके आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में कुछ लोग स्थानीय सक्षम प्राधिकारी के द्वारा वरीर ले-आउट प्लान स्वीकृत कराये भूमि/प्लॉट को बेच रहे हैं तथा निर्धारित मानकों के अनुसार उस भूमि को विकसित कर रहे हैं। अधिकांश मामलों में, विक्रय-विलेख (सेल डीड) में यह उल्लिखित है कि भूमि खेतीहर है तथा विक्रेता (सेलर) उस भूमि के केवल अपने अधिकार क्षेत्र (बायर) को हस्तान्तरित कर रहा है। सरकार केवल तभी कार्यवाही कर सकती है जब कि क्रैता यह शिकायत दर्ज कराये यह विक्रय उक्त दोषपूर्ण पूर्ववर्षित तथ्यों पर किया गया था तथा कुछ महत्वपूर्ण सूचनायें उससे छिपा ली गयी थीं। सरकार ने संभावित क्रैताओं को प्रचार के विज्ञापनों, सिनेमा स्लाइडों तथा प्रचार के अन्य माध्यमों द्वारा यह परामर्श दिया था कि वे वरीर इसकी पुष्टि किये कि भूमि का ले-आउट सक्षम प्राधिकारी के द्वारा स्वीकृत किया जा चुका है, भूमि न खरीदें।

Circulation of Currency Notes meant for Destruction

*375. Shri Madhu Limaye
Shri S. M. Banerjee:
Shri George Fernandes:
Shri Manibhai J. Patel:

Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a case of cheating/fraud in which defective currency notes valued at several million rupees, which had been ordered to be destroyed have, instead of being actually destroyed, put into circulation;

(b) whether currency notes with duplicate numbers too are in circulation;